सकिल सेल एनीमिया रोगियों को पेंशन लाभ

चर्चा में क्यों ?

अधिकारियों के अनुसार, झारखंड के **खूंटी ज़िले** में सकिल सेल एनीमिया से पीड़ित लोगों को **1,000 रुपए मासिक पेंशन** मिलेगी।

मुख्य बिंदु:

- खूंटी ज़िला प्रशासन ने स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित व्यक्तियों के लिये पेंशन लाभ को स्वीकृति दे दी है।
- **पहले चरण में** विभिन्न ब्लॉकों से **नौ लाभार्थियों की पहचान** की गई है- **खूंटी और कर्रा से तीन-तीन, मुरहू से दो तथा तोरपा ब्लॉक से एक**।
- यदि कोई सिकल सेल रोग का मामला सामने आता है या बाद में इसकी पहचान की जाती है तो उसे इस योजना के तहत कवर किया जाएगा।
- ज़िले में अब तक 99,165 लोगों की सिकल सेल जाँच की गई है।
- इनमें से 114 सिकल सेल रोग के वाहक पाए गए तथा कुल 46 व्यक्ति **सिकल सेल एनीमिया-थैलेसीमिया रोग** से पीड़ित पाए गए
- इनमें से नौ ऐसे लोग हैं जो **40 प्रतिशत या उससे अधिक सिकल सेल एनीमिया-थैलेसीमिया रोग से पीड़ित** हैं, उन्हें दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर योजना के तहत पेंशन दी जा रही है।

स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना

- यह **झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग** द्वारा शुरू की गई योजना है
- इसका उद्देश्य **पाँच वर्ष या उससे अधिक आयु के दिव्यांग जनों को सामाजिक सुरक्षा** प्रदान करना है, जिन्हें **वित्तीय सहायता** की आवश्यकता है
- यह योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के रूप में संचालित होती है, जहाँ पेंशन राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है।

सिकल सेल रोग

- सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जो हीमोग्लोबिन (**लाल रक्त कोशिकाओं में ऑक्सीजन परिसंचरण के लिये ज़िम्मेदार प्रोटीन)** में असामान्यता के कारण होता है
- इस विकार में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार अर्द्धचंद्राकार हो जाता है और वाहिकाओं के माध्यम से उनकी गति बाधित होती है, जिससे **गंभीर दर्द, संक्रमण, एनीमिया तथा स्ट्रोक** जैसी संभावित जटिलताएँ हो सकती हैं
- केवल भारत में **प्रत्येक वर्ष अनुमानतः 30,000-40,000 बच्चे** सिकल सेल रोग के साथ पैदा होते हैं।

थैलेसीमिया

- **सिकल सेल रोग** की तरह ही थैलेसीमिया से पीड़ित व्यक्ति **कम हीमोग्लोबिन के स्तर के कारण गंभीर एनीमिया** का अनुभव करते हैं, जिसके उपचार के लिये आजीवन रुधिर आधान और आयरन संचय को प्रबंधित करने के लिये केलेशन थेरेपी की आवश्यकता होती है।
- प्रमुख लक्षणों में **थकान, पीलापन या पीलिया, साँस की तकलीफ, शारीरिक विकास में विलंब, चेहरे की हड्डी की विकृति (गंभीर मामलों में)** आदि शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pension-benefit-to-sickle-cell-anemia-patients